परास्नातक अर्थशास्त्र (NEP 2020)
Post Graduate Economics (MAEC) (NEP 2020)
(Total Credit : 80)

MAEC-101(N)	व्यष्टिभावी अर्थशास्त्र
MAEC-102(N)	अर्थशास्त्रीय गणित
MAEC-103(N)	भारतीय अर्थव्यवस्था संरचना व नीतियाँ
MAEC-104(N)	श्रम अर्थशास्त्र
MAEC-105(N)	मानवाधिकार
MAEC-106(N)	सार्वजनिक अर्थशास्त्र
MAEC-107(N)	आर्थिक विकास एवं नियोजन
MAEC-108(N)	अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं व्यापार नीति
MAEC-109(N)	वित्तीय संस्थाए
MAEC-110(N)	गांधी : आर्थिक चिंतन
MAEC-111(N)	समष्टिभावी अर्थशास्त्र
MAEC-112(N)	कृषि एवं ग्रामीण विकास
MAEC-113(N)	पर्यावरणीय अर्थशास्त्र
MAEC-114(N)	बुनियादी ढांचे का अर्थशास्त्र
MAEC-115(N)	उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था
MAEC-116(N)	मौद्रिक अर्थशास्त्र
MAEC-117(N)	जनांकिकी
MAEC-118(N)	अर्थशास्त्रीय शोध एवं सांख्यिकी
MAEC-119(N)	औद्योगिक अर्थशास्त्र
MAEC-120(N)	लघुशोध प्रबन्ध

स्नातकोत्तर कार्यक्रम (सेमेस्टर पद्धति)

स्नातकोत्तर कला कार्यक्रम (एम0ए0)

Master of Arts Programme (M.A.)

कार्यक्रम कोड/Programme Code	:	201	कार्यक्रम अवधि (वर्षों में) Programme Duration (in yrs.)	:	न्यूनतम Minimum	:	अधिकतम Maximum :
कार्यक्रम माध्यम/Medium of Instruction	:	हिन्दी/Hindi	कार्यक्रम शुल्क प्रतिवर्ष / Programme Fee Per Year	:			
प्रवेश हेतु न्यूनतम अर्हता/ Minimum Qualification for Admission	:	स्नातक (तीन वर्षीय)/Three years Bachelor Degree	अधिन्यास कार्य/Assignment Work	:	आवश्यक/Essential		

Year/ वर्ष	Course Code/ पाठ्यक्रम कोड	Title of Course/ पाठ्यक्रम का शीर्षक	Credits/ क्रेडिट	Marks / अंक
प्रथम सेमेस्टर	MAEC-101(N)	व्यष्टिभावी अर्थशास्त्र	4	100
	MAEC -102(N)	अर्थशास्त्रीय गणित	4	100
	MAEC -103(N)	भारतीय अर्थव्यवस्था संरचना व नीतियाँ	4	100
	MAEC -104(N)	श्रम अर्थशास्त्र	4	100
	MAEC -105(N)	मानवाधिकार	4	100
		कुल क्रेडिट/अंक–प्रथम सेमेस्टर	**20**	**500**
द्वितीय सेमेस्टर	MAEC -106(N)	सार्वजनिक अर्थशास्त्र	4	100
	MAEC -107(N)	आर्थिक विकास एवं नियोजन	4	100
	MAEC -108(N)	अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं व्यापार नीति	4	100
	MAEC -109(N)	वित्तीय संस्थाएं	4	100
	MAEC -110(N)	गांधी : आर्थिक चिंतन	4	100
		कुल क्रेडिट/अंक–द्वितीय सेमेस्टर	20	500
	परास्नातक प्रथम वर्ष कुल क्रेडिट/अंक	**प्रथम सेमेस्टर+द्वितीय सेमेस्टर**	**40**	**1000**
तृतीय सेमेस्टर	MAEC -111(N)	समष्टिभावी अर्थशास्त्र	4	100
	MAEC -112(N)	कृषि एवं ग्रामीण विकास	4	100
	MAEC -113(N)	पर्यावरणीय अर्थशास्त्र	4	100
	MAEC -114(N)	बुनियादी ढांचे का अर्थशास्त्र	4	100
	MAEC -115(N)	उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था	4	100
		कुल क्रेडिट/अंक–तृतीय सेमेस्टर	**20**	**500**
चतुर्थ सेमेस्टर	MAEC -116(N)	मौद्रिक अर्थशास्त्र	4	100
	MAEC -117(N)	जनांकिकी	4	100
	MAEC -118(N)	अर्थशास्त्रीय शोध एवं सांख्यिकी	4	100
	MAEC -119(N)	औद्योगिक अर्थशास्त्र	4	100
	MAEC -120(N)	लघु शोध प्रबन्ध	4	100
		कुल क्रेडिट चतुर्थ सेमेस्टर	20	500
	परास्नातक कुल क्रेडिट/अंक	**प्रथम सेमस्टर+द्वितीय सेमेस्टर+तृतीय सेमेस्टर+चतुर्थ सेमेस्टर**	**80**	**2000**

MAEC-101 (N)

व्यष्टिभावी अर्थशास्त्र

खण्ड 01 मूलभूत अवधारणाएँ

इकाई 01 व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र
02 स्थैतिक एव गत्यात्मक की अवधारणा
03 साम्य की अवधारणा
04 आर्थिक प्रणालियां : पूंजीवादी, समाजवादी तथा मिश्रित अर्थव्यवस्थाएं
05 कीमत मैकानिज्म तंत्र मैकेनिज्म की भूमिका
06 आधुनिक नवबाजारवाद

खण्ड 02 उत्पादन

इकाई 01 फर्म के सिद्धान्त : फर्म के उद्देश्य – लाभ अधिकतमीकरण, विक्रय अधिकतमीकरण, अल्पकाल एवं दीर्घकाल में फर्म के उद्देश्य
02 उत्पादन फलन, परिवर्तनशील अनुपातों का नियम
03 उत्पादन फलन : सम उत्पाद वक्र
04 पैमाने का प्रतिफल
05 काब डगलस उत्पादन फलन
06 पैमाने की मितव्ययिताएँ

खण्ड 03 उपभोक्ता व्यवहार

इकाई 01 नव क्लासिकीय उपयोगिता विश्लेषण
02 हिक्स का तटस्थता वक्र विश्लेषण
03 जोखिम व अनिश्चितता के संदर्भ चुनाव हेतु आधुनिक उपयोगिता विश्लेषणः बरनौली अवधारणा, न्यूमान मार्गेस्टन उपयोगिता माप विधि

खण्ड 04 कीमत सिद्धान्त

इकाई 01 पूर्ण प्रतियोगिता के अर्न्तगत कीमत एवं उत्पादन निर्धारण (अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन)
02 अपूर्ण प्रतियोगिता : एकाधिकार, द्वयाधिकार, अल्पाधिकार में कीमत निर्धारण
03 सन्धिपूर्ण एवं गैर – सन्धिपूर्ण अल्पाधिकार के विभिन्न स्वरूप
04 एकाधिकार प्रतियोगिता
05 मूल्य विभेद एवं क्रेता एकाधिकार
06 द्विपक्षीय एकाधिकार में मूल्य निर्धारण

खण्ड 05 साधन कीमत निर्धारण

इकाई 01 सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त –वस्तु तथा साधन कीमत अन्तर
02 लगान के सिद्धान्त – रिकार्डो का सिद्धान्त, आधुनिक सिद्धान्त
03 मजदूरी के सिद्धान्त
04 व्याज के सिद्धान्त पूर्व किन्सीयन एवं किन्सीयन सिद्धान्त
05 ब्याज का आधुनिक सिद्धान्त IS – LM वक्र द्वारा
06 लाभ के सिद्धान्त : जोखिम व अनिश्चिततावहन सिद्धान्त –लाभ के कार्य

MAEC-102(N)
अर्थशास्त्रीय गणित

खण्ड 01 गणितीय विधियां

इकाई 01 समुच्चय, सम्बन्ध व फलन
02 आर्थिक सिद्धान्त में फलन तथा रेखाचित्र
03 सीमांत तथा निरंतरता
04 अवकलन एवं इसका निर्वचन
05 लघुगुणकीय अवकलन व लोच की माप
06 आंशिक अवकलन एवं इसका अर्थशास्त्र में प्रयोग
07 अवकलन के आर्थिक प्रयोग

खण्ड 02 परिमाणात्मक विधियां –1

इकाई 01 अनुकूलतम समीकरण प्रति रहित
02 प्रतिबन्धित अनुकूलतम समीकरण की धारणा
03 अनुकूलतम समीकरण की धारणा के अर्थशास्त्र में सरल प्रयोग
04 समाकलन की अवधारणा एवं इसका अर्थशास्त्र में प्रयोग
05 आव्यूह (मैट्रिक्स) बीजगणित का परिचय
06 सारणिक
07 आगंत–निर्गत सारणी विश्लेषण का परिचय
08 रैखिक प्रोग्रामिंग–आलेख विधि

खण्ड 03 परिमाणात्मक विधियां -2

इकाई 01 ऑकड़ों के संकलन की विधियां
02 प्रतिचयन एवं प्रतिचयन की विधियां
03 ऑकड़ों के प्रस्तुतिकरण की विधयां
04 केन्द्रीय प्रवृति की मापें I : औसत
05 केन्द्रीय प्रवृति की मापें II : मध्यिका, चतुर्थक, दशमर्थक, शतमर्थक एवं बहुलक
06 विक्षेपण की मापें I : परिसर, माध्य एवं चतुर्थक विचलन
07 विक्षेपण की मापें II : प्रमाप विचलन एवं विषमता

खण्ड 04 समंक एवं प्रतिदर्श – 1

इकाई 01 द्विचर समंको का विश्लेषण – अवर्गीकृत समंक
02 द्विचर समंको का विश्लेषण – वर्गीकृत समंक
03 द्विचर समंको का विश्लेषण –III बहुगुणी प्रतीपगमपन –दो स्वतंत्र चर
04 प्रतिचयनों की विभ्रम एवं सार्थकता परीक्षण
05 सूचकांक
06 उपभोक्ता मूल्य सूचकांक
07 काल श्रेणी विश्लेषण

खण्ड 05 समंक एवं प्रतिदर्श –2

इकाई 01 समष्टि आंकड़ों की प्रकृति एवं स्रोत : राष्ट्रीय आय
02 समष्टि आंकड़ों की प्रकृति एवं स्रोतः मूल्य स्तर एवं मुद्रा की पूर्ति
03 जनगणना सर्वेक्षण
04 राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण

MAEC – 103(N)
भारतीय अर्थव्यवस्था संरचना व नीतियाँ

खण्ड 01 भारत की आर्थिक नीति एवं नियोजन

इकाई 01 भारत की मिश्रित अर्थव्यवस्था
02 नेहरू एवं गांधी की विकास व्यूह रचना, भारी उद्योग एवं ग्रामीण विकेन्द्रित विकास
03 भारत की विकास प्रक्रिया एवं नियोजन
04 पंचवर्षीय योजनाएं : उद्देश्य, उपलब्धियाँ एवं बाधाएं
05 भारत की आर्थिक सुधार की आवश्यकता एवं मिश्रित अर्थव्यवस्था से विमोह
06 पूंजीवादी पुनर्जागरण, नवबाजारवाद एवं तद्जनित समस्याएं

खण्ड 02 भारतीय अर्थव्यवस्था : विकास के मुद्दे

इकाई 01 अर्थव्यवस्था के विकास की गति का आंकलन
02 अर्थव्यवस्था में बचत एवं निवेश की प्रवृत्ति
03 निर्धनता एवं आर्थिक विषमताएं
04 भारत में बेरोजगारी एवं अल्प रोजगार एवं रोजगार नीति
05 जनांकीय आयाम : भारत में जनसंख्या वृद्धि दर
06 जनसंख्या एवं आर्थिक विकास

खण्ड 03 भारतीय कृषि

इकाई 01 भारतीय भूमि व्यवस्था,
02 कृषि विकास की प्रवृत्ति : उपलब्धियां एवं समस्याएं
03 प्रथम हरित क्रान्ति एवं सतत हरित क्रान्ति की आवश्यकता
04 खाद्य सुरक्षा
05 कृषि में विनियोजकन की समीक्षा एवं कृषि उत्पाद मूल्य निर्धारण

खण्ड 04 उद्योग एवं विदेशी व्यापार

इकाई 01 भारत में औद्योगिक विकास की प्रवृत्तियां
02 प्रमुख संगठित उद्योग : लोहा व इस्पात, सूती वस्त्र, चीनी आदि
03 भारत में क्षेत्रीय विषमताएं एवं सतुंलित औद्योगिक विकास की नीतियां
04 भारत का विदेशी व्यापार : आयात एवं निर्यात की प्रवृत्तियां एवं आयात –निर्यात नीति
05 भारत का भुगतान संतुलन
06 भारत में विदेशी पूंजी एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियां

खण्ड 05 समानान्तर अर्थव्यवस्था एवं सामाजिक न्याय –

इकाई 01 भारत में काले धन की समस्या एवं उसकी वृद्धि दर
02 समान्तर अर्थव्यवस्था एवं उसके आर्थिक एवं सामाजिक विखराव का विश्लेषण
03 भारत में भ्रष्टाचार एवं आर्थिक विकास
04 आर्थिक विषमताएं एवं उसके सामाजार्थिक दुष्प्रभाव
05 सामाजिक न्याय की अवधारणा : अमर्त्य सेन के विचार

MAEC-104 (N)

श्रम अर्थशास्त्र

खण्ड.–1 परिचय

इकाई–1 श्रम अर्थशास्त्र की परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र और महत्व।

इकाई–2 भारत में श्रम बाजार : विशेषताएं, श्रम की मांग व आपूर्ति तथा उनके निर्धारक।

इकाई–3 जनशक्ति नियोजन : अवधारणा एवं आवश्यकताएँ, कौशल विकास।

इकाई–4 भारत में औद्योगिक श्रम तथा उनकी विशेषताएं।

खण्ड–2 भारत में श्रम बाजार

इकाई–5 भारतीय श्रमिकों का जीवन स्तर एवं कार्य क्षमता, श्रम प्रवास के कारण एवं निवारण।

इकाई–6 श्रमिक संघ आन्दोलन का उदय एवं विकास।

इकाई–7 सामूहिक सौदेबाजी : आशय, प्रक्रिया एवं लाभ।

इकाई–8 मजदूरी निर्धारण के सिद्धांत तथा भुगतान की रीतियाँ।

खण्ड–3 सामजिक सुरक्षा

इकाई–9 सामाजिक सुरक्षा का अभिप्राय, परिभाषा, महत्व तथा क्षेत्र।

इकाई–10 भारत में सामाजिक सुरक्षा की आवश्यकता, चुनौतियाँ एवं संचालित विभिन्न योजनाएँ।

इकाई–11 भारत में कृषि श्रमिकों की स्थिति, समस्याएं एवं निवारण ।

इकाई–12 भारत में बाल एवं महिला श्रम के कारण एवं निवारण के उपाय, नीतियाँ ।

खण्ड–4 श्रम कल्याण

इकाई–13 भारत में श्रम कल्याण : अवधारणा व्यवस्थाएं एवं एजेंसियाँ ।

इकाई–14 औद्योगिक श्रमिकों की स्थिति एवं आवास व्यवस्था।

इकाई–15 राष्ट्रीय मजदूरी नीति तथा श्रम आयोग।

इकाई–16 अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन परिचय ,उद्देश्य एवं कार्य।

सम्बंधित पाठ्य पुस्तकें

1. ब्लूम, नॉर्थ्रॉप, रेवेन, रीडिंग्स इन लेबर इकोनॉमिक्स
2. ब्लूम, नॉर्थ्रॉप, रेवेन, रीडिंग्स इन लेबर इकोनॉमिक्स
3. ब्राउन.फेल्प्स, श्रम का अर्थशास्त्र
4. ब्राउन. फेल्प्स. श्रम का अर्थशास्त्र
5. गिरी, वी.वी., भारतीय उद्योग में श्रम
6. लेस्टर, आर.ए., श्रम का अर्थशास्त्र
7. सिंग, आर. आर., श्रम अर्थशास्त्र

MAEC-105(N)

मानवाधिकार

खण्ड–(1) मानव अधिकार एवं कर्तव्य : मौलिक तत्व

इकाई–1 मौलिक अधिकार का अर्थ एवं प्रकृति

इकाई–2 मौलिक तत्व (सह अस्तित्व समूह, राज्य, स्वतंत्रता, समानता, न्याय भ्रातत्व)

इकाई–3 अधिकार और कर्तव्य के बीच संतुलन की आवश्यकता, स्वतंत्रता और उत्तरदायित्व

इकाई–(2) दार्शनिक और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

इकाई–1 मानव अधिकार का इतिहास

इकाई–2 मानव अधिकार आंदोलन

इकाई–3 मानव अधिकार के सिद्धान्त

इकाई–(3) अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रयास

इकाई–1 1948 का सार्वभौमिक घोषणा–पत्र

इकाई–2 अन्तर्राष्ट्रीय प्रसंविदाएं, नागरिक और राजनीकि अधिकार 1966

इकाई–3 अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाऐं

इकाई–(4) भारत में मानव अधिकार और कर्तव्य

इकाई–1 विकास : स्वतंत्रता आन्दोलन, संविधान निर्माण

इकाई–2 भारतीय संविधान

(अ) प्रस्तावना

(ब) नीति निर्देशक सिद्धान्त

इकाई–3 (अ) मौलिक कर्तव्य व अधिकार

(ब) आरक्षण सम्बन्धी प्रावधान

इकाई–(5) मानवाधिकारों का संरक्षा

इकाई–1 राष्ट्रीय स्तर पर (सर्वोच्च न्यायालय राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रीय महिला आयोग)

इकाई–2 अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर (संयुक्तराष्ट्र एवं एन0जी0ओ0 की भूमिका)

इकाई–3 प्रान्तीय स्तर पर (राज्य महिला आयोग एवं लोकायुक्त की भूमिका)

MAEC-106 (N)
सार्वजनिक अर्थशास्त्र

खण्ड 01 लोक अर्थशास्त्र की अवधारणा

इकाई 01 विभिन्न राजकोषीय प्रणालियों में राज्य की आर्थिक क्रियाओं का विश्लेषण
02 लोक अर्थशास्त्र के उद्देश्य व अंग
03 सामाजिक वस्तुओं का सिद्धान्त
04 बाह्यताएँ
05 मिश्रित वस्तुएँ
06 लोक चयन

खण्ड 02 सार्वजनिक व्यय एवं सर्वजनिक उपक्रम

इकाई 01 सार्वजनिक व्यय
02 सार्वजनिक व्यय, मूल्यांकन एवं बजटीय रूप
03 सार्वजनिक उपक्रम : मिश्रित अर्थव्यवस्था के विकास स्वरूप में भूमिका
04 भारत में सार्वजनिक उपक्रमों में कीमत नीति, प्रबन्धित कीमतें एवं आधिक्य सृजन
05 सैद्धान्तिक पहलू और कल्याणकारी प्रभाव

खण्ड 03 करारोपण

इकाई 01 करारोपण के सिद्धान्त
02 करारोपण में न्याय
03 आवंटन कुशलता
04 करापात
05 कर विवर्तन
06 राजकोषीय नीति

खण्ड 04 भारतीय कर प्रणाली

इकाई 01 भारतीय सार्वजनिक वित्त –1 : भारतीय कर प्रणाली
02 भारतीय सार्वजनिक वित्त –2 : प्रमुख कर
03 निजी आयकर : कर योग्य आय, कर आधार, कर मुक्त आय तथा अन्य कर छूटें
04 निजी आयकर : करदर का ढांचा वर्द्धमानता
05 निगम आयकर : प्रमुख विषेशताएं, करदर का ढांचा
06 निगम आयकर : कम्पनियों का वर्गीकरण, मूल्य ह्रास सम्बन्धी नियम इत्यादि

खण्ड 05 सार्वजनिक ऋण एवं घाटा

इकाई 01 सार्वजनिक ऋण का अर्थशास्त्र
02 सार्वजनिक ऋण संस्थापित सिद्धान्त क्रियात्मक एवं क्षतिपूरक वित्त
03 आन्तरिक ऋण एवं वाह्य ऋण, सार्वजनिक ऋणों के मुद्दे
04 विकास के लिए राजकोषीय नीति : साधन गतिशीलता विकास, वितरण तथा मूल्यों पर प्रभाव
05 पंचवर्षीय योजनाओं का वित्त पोषण, नीति आयोग की भूमिका
06 भारतीय बजटीय प्रक्रिया

MAEC-107(N)
आर्थिक विकास एवं नियोजन

खण्ड 01 आर्थिक विकास एवं आर्थिक संवृद्धि

इकाई 01 आर्थिक संवृद्धि तथा विकास
02 आर्थिक संवृद्धि एवं मापन
03 आर्थिक विकास अन्तराल
04 आर्थिक संवृद्धि एवं सामाजिक न्याय
05 विकास के बाधक कारक
06 मानव विकास सूचकांक तथा आर्थिक विकास एवं मानव विकास

खण्ड 02 आर्थिक विकास के सिद्धान्त

इकाई 01 प्रबलविनियोग तथा न्यूनतम प्रयास सिद्धान्त
02 संतुलित तथा असंतुलित संवृद्धि सिद्धान्त
03 गरीबी एवं गरीबी का दुश्चक्र
04 सामाजिक एवं तकनीकी द्वैतवाद
05 लेविस का असीमित श्रम शक्ति का सिद्धान्त
06 हैरिश–टोडारो का प्रवसन सिद्धान्त

खण्ड 03 भारत में नियोजन

इकाई 01 भारत में नियोजन की रणनीति, उद्देश्य, सफलतायें तथा असफलतायें
02 वर्तमान व्यवस्था में नियोजन की प्रासंगिकता तथा नियोजन के दौरान औद्योगिक क्रान्ति
03 भारत में नियोजन के दौरान कृषि का विकास
04 भारत मे पूर्व योजनाओं का पुनरावलोकन वर्तमान संदर्भ में
05 भारत में क्षेत्रीय नियोजन की आवश्यकता
06 भारत में पचांयती राज्य व्यवस्था

खण्ड 04 जनसंख्या एवं आर्थिक विकास

इकाई 01 जनसंख्या एवं आर्थिक विकास में सम्बन्ध
02 प्रमुख जनसंख्या सिद्धान्त–माल्थस, अनुकूलतम तथा जनसंख्या संक्रमण के सिद्धान्त
03 भारत में जनसंख्या का ग्रामीण क्षेत्रों से नगरों की ओर पलायन : कारण एवं समाधान
04 भारत में गरीबी : कारण एवं निवारण
05 जनसंख्या लाभांश, : तात्पर्य, कारण एवं परिणाम, राजकीय–सरकारी योजनाएं एवं मूल्यांकन
06 आय वितरण असमानता, लॉरेन्ज वक्र

खण्ड 05 आर्थिक विकास एवं संस्थागत ढांचा

इकाई 01 भारत में विदेशी व्यापार की संरचना एवं दिशा
02 भारत में बैकिंग सुधार तथा अन्तर्राष्ट्रीय तरलता की समस्या
03 आर्थिक उदारीकरण एवं वैश्वीकरण
04 भारत के आर्थिक विकास में विदेशी पूँजी की आवश्यकता एवं उद्देश्य
05 बहुराष्ट्रीय निगमों का महत्व, फेरा (FERA) एवं फेमा (FEMA)
06 भारत एवं विश्व अर्थव्यवस्था, विश्व व्यपार संगठन, G 20

MAEC-108(N)
अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं व्यापार नीति

खण्ड 01 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धान्त – 1

इकाई 01 व्यापार का क्लासिकल सिद्धान्त : ऐडम स्मिथ – निरपेक्ष लाभ सिद्धान्त, रिकार्डो–तुलनात्मक लागत का सिद्धान्त

02 मिल का पारस्परिक मांग सिद्धान्त, व्यापार की शर्तें

03 हैबरलर का अवसर लागत सिद्धान्त

04 अन्तर्राष्ट्रीय एवं अन्तर्क्षेत्रीय व्यपार : हेक्सर ओलिन साधन प्रचुरता सिद्धान्त

05 सैमुएलसन का साधन मूल्य समानीकरण सिद्धान्त

06 विपरीत साधन गहनता : स्टोलपर – सैमुएलसन प्रमेय तथा रिबजिन्सकी प्रमेय

खण्ड 02 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धान्त – 2

इकाई 01 उत्पादन, उपभोग एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में समान्य संतुलन

02 व्यापार तटस्थ रेखाएं तथा प्रस्ताव वक्र

03 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के नवीन सिद्धान्त : क्रेविस, लिन्डर, पोसनर का तकनीकि गैप, वर्नन : उत्पाद चक्र केनन : मानव पूंजी, इमानुएल : असमान विनिमय सिद्धान्त

04 अन्तर उद्योग एवं अन्त्रा उद्योग व्यापार, लियोन्तीफ विरोधाभास आदि

05 तकनीकि प्रगति एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

06 अपूर्ण बाजार एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, वस्तु विभेद, अल्पधिकार बाजार एवं विदेशी व्यापार

खण्ड 03 व्यापार की शर्तें तथा विकास एवं व्यापार

इकाई 01 व्यापार की शर्तों की विभिन्न अवधारणएं

02 प्रेविस– सिंगर विपरीत व्यापार शर्तों की अवधारणा

03 अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार एवं आर्थिक विकास : व्यापार के स्थैतिक एवं गत्यात्मक लाभ

04 आर्थिक विकास एवं अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार : हिक्स मॉडल सोडर्स्टन मॉडल आदि

05 बाजार में हस्तक्षेप की आवश्यकता : संरक्षण की दलीलें, शिशु उद्योग तर्क, बाजार विकृतियां तथा वाह्य मितव्यायितॉएँ, तटकर एवं अम्यश

06 सीमा संघ सिद्धान्त एवं आर्थिक एकीकरण

खण्ड 04 विनिमय दर एवं भुगतान संतुलन

इकाई 01 विनिमय दर निर्धारण के सिद्धान्त : क्रय शक्तिसमता एवं भुगतान संतुलन सिद्धान्त, विनिमय की साम्य दर

02 व्यापार संतुलन एवं भुगतान संतुलन, भुगतान सतुंलन की मदें

03 भुगतान संतुलन में घाटा एवं असाम्य की धाराएं

04 भुगतान संतुलन में साम्य की विधियां : लोच एवं अवशोषण विधियां, व्यय घटाने तथा व्यय परिवर्तित करने की विधियां

05 भुगतान संतुलन समायोजन की मौद्रिक विधि एवं विदेशी व्यापार गुणक एवं आय विधि

06 आन्तरिक एवं वाह्य का एक साथ संतुलन : स्वान रेखाचित्र, मेण्डल फ्लेमिंग मॉडल, मौद्रिक एवं राजकोषीय विधियों द्वारा समायोजन

खण्ड 05 अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाएं, क्षेत्रीय सहयोग एवं भारत का व्यापार

इकाई 01 अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैक व संबद्ध संस्थाएं

02 क्षेत्रीय व्यापार सहयोग : यूरोपियन यूनियन, सार्क आदि

03 विश्व व्यापार संगठन एवं अन्य विकसित देशों का व्यापार

04 भारत का विदेशी व्यापार : मात्रा, संघटक व दिशाएं

05 भारत में विदशी पूंजी एवं विदेशी ऋण

06 भारत का भुगतान संतुलन एवं व्यापार नीति

MAEC-109 (N)
वित्तीय संस्थाएं

खण्ड–1 वित्तीय प्रणाली की प्रकृति और भूमिका

इकाई–1 वित्तीय प्रणाली की संरचना और कार्य।

इकाई–2 वित्तीय विकास के संकेतक।

इकाई–3 वित्तीय प्रणाली और आर्थिक विकास।

इकाई–4 वित्तीय मध्यस्थता और वित्तीय मध्यस्थ।

खण्ड–2 केंद्रीय बैंक एवं वाणिज्यिक बैंक

इकाई–5 केंद्रीय बैंक एवं उसके कार्य, मौद्रिक नीति।

इकाई–6 वाणिज्य बैंकों का विकास एवं संरचना।

इकाई–7 सहकारी बैंक एवं नाबार्ड निष्पादन एवं नीतियां।

इकाई–8 भारत में ब्याज दर एवं मुद्रा स्फीति : स्थिति एवं मुद्दे।

खण्ड–3 मुद्रा बाजार एवं एन.बी.एफ.आई.

इकाई–9 मुद्रा बाजार की संरचना एवं कार्य।

इकाई–10 कालमनी मार्केट, ट्रेजरी बिल मार्केट, कमर्शियल बिल मार्केट।

इकाई–11 सरकारी प्रतिभूति बाजार।

इकाई–12 गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थाएं।

खण्ड–4 पूंजी बाजार एवं विनियामक वित्तीय संस्थाएं

इकाई–13 पूंजी बाजार की संरचना एवं कार्य।

इकाई–14 डेरिवेटिव बाजार, फ्यूचर एवं ऑप्शन(वायदा एवं विकल्प) और अन्य डेरिवेटिव्स।

इकाई–15 विनियामक वित्तीय संस्थाएं– सेबी ,आईआरडीए।

इकाई–16 भारतीय वित्तीय बाजार एवं आर्थिक विकास।

सम्बंधित पाठ्य पुस्तकें–

भोले, एल.एम., वित्तीय संस्थान और बाजार, टाटा मैकग्रा हिल कंपनी लिमिटेड, नई दिल्ली।

भोले, एल.एम., भारतीय वित्तीय प्रणाली, चुघ प्रकाशन, इलाहाबाद,

एडमिन्स्टर, आर.ओ., वित्तीय संस्थान, बाजार और प्रबंधन, मैकग्रॉ हिल, न्यूयॉर्क।

गोल्डस्मिथ, आर.डब्ल्यू., वित्तीय संरचना और विकास, येल, लंदन।

हैन्सन, जे.ए., और एस. कथूरिया, भारतरू इक्कीसवीं सदी के लिए एक वित्तीय क्षेत्र, ऑक्सफो यूनिवर्सिटी प्रेस,

हार्कर, पी.टी. और एस.ए. जेनिओस, वित्तीय संस्थानों का प्रदर्शन, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्री कैम्ब्रिज।

जॉनसन, एच.जे., वित्तीय संस्थान और बाजार, मैकग्रॉ हिल, न्यूयॉर्क।

खान, एम.वाई., भारतीय वित्तीय प्रणाली, टाटा मैक्ग्रा हिल, नई दिल्ली,

माचिराजू, एम.आर., इंडियन फाइनेंशियल सिस्टम्स, विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

ओहल्सन, जे.ए., वित्तीय बाजार और संस्थान का सिद्धांत, नॉर्थ हॉलैंड, एम्स्टर्डम।

जैन, टी.आर., त्रेहान, मुकेश और त्रेहान, रंजू, भारतीय वित्तीय प्रणाली

जयसवाल, बिमल, वेंकटरमन, भुवना, और बनर्जी, ऋचा, वित्तीय बाजार, संस्थान और वित्तीय सेवाएँ।

पाटनी, आर.एल. (हिंदी), वित्तीय संस्थाएं और बाजार

शर्मा, एफ.सी. (हिंदी), वित्तीय बाजार परिचालन

सिन्हा, वी.सी. एवं सिन्हा, पुष्पा (हिंदी), बैंकिंग और वित्तीय संस्थाएँ

MAEC-110 (N)
गांधी : आर्थिक चिंतन

खण्ड–01 सत्य एवं अहिंसा

इकाई–1 साध्य–साधन संबंधी विचार
इकाई–2 अहिंसा का जीवनादर्श

खण्ड–2 सत्याग्रह की परिकल्पना

इकाई–3 सत्याग्रह का अर्थ और उत्पत्ति
इकाई–4 सत्याग्रह के व्रत

खण्ड–3 सर्वोदय

इकाई–5 अर्थ एवं उत्पत्ति
इकाई–6 साम्यवाद, समाजवाद एवं सर्वोदय

खण्ड–4 स्वदेशी

इकाई–7 स्वदेशी की अवधारणा
इकाई–8 स्वराज की अवधारणा

खण्ड–5 ट्रस्टीशिप

इकाई–9 अर्थशास्त्र का नैतिक व अध्यात्मिक सिद्धान्त
इकाई–10 ट्रस्टीशिप का आधार

खण्ड–6 शिक्षा तथा समाज

इकाई–11 साम्प्रदायिक एकता
इकाई–12 अस्पृष्यता उन्मूलन

खण्ड–7 महात्मा गांधी की प्रासंगिकता

इकाई–13 गांधी के रचनात्मक कार्य
इकाई–14 वैश्विक करण में महत्व

MAEC-111(N)
समष्टिभावी अर्थशास्त्र

खण्ड 01 समष्टि अर्थशास्त्र की अवधारणा एवं राष्ट्रीय आय

इकाई 01 समष्टि अर्थशास्त्र : विकास की सीमाएँ

02 अर्थव्यवस्था का चक्रीय प्रवाह

03 राष्ट्रीय आय : अवधारणाएँ, संरचना एवं मापने की विधियाँ

04 रोजगार : अर्थ एवं बेरोजगारी के प्रकार, क्लासिकी उत्पादन एवं रोजगार का सिद्धान्त–से का बाजार नियम

05 कीन्सोत्तर आय निर्धारण सिद्धान्त : हिक्स एवं IS – LM अवधारणा

खण्ड 02 उपभोग एवं विनियोग

इकाई 01 उपभोग फलन : कीन्स का निरपेक्ष उपभोग सिद्धान्त,संकल्पना

02 आय निर्धारण का कीन्स का सिद्धान्त, बचत, विनियोग एवं आय में सम्बन्ध, सापेक्ष आय डयूसनबेरी परिकल्पना

03 स्थायी आय परिकल्पना : फ्रीडमैन का उपयोग सिद्धान्त

04 उपभोग का जीवन चक्र परिकल्पना एवं उपभोग को प्रभावित करने वाले गैर आर्थिक कारक

05 विनियोग एवं पूंजी निर्माण का सिद्धान्त : कीन्स का सिद्धान्त

06 गुणक एवं त्वरक का सिद्धान्त

खण्ड 03 आर्थिक विकास के सामान्य सिद्धान्त

इकाई 01 आर्थिक विकास के सिद्धान्त–प्रतिष्ठित सिद्धान्त

02 मार्क्स तथा शुम्पीटर का आर्थिक विकास सिद्धान्त

03 रोस्टोव का सिद्धान्त तथा कीन्स एवं कीन्स पश्चात के सिद्धान्त

04 संवृद्धि मॉडल हैरेड–डोमर

05 नव क्लासिकल मॉडल–कैल्डार रॉबिन्सन

06 तकनीकी परिवर्तन तथा संवृद्धि

खण्ड 04 व्यापार चक्र एवं समष्टिभावी आर्थिक नीतियां

इकाई 01 व्यापार चक्र अवधारणा सिद्धान्त : व्यापार चक्र के मौद्रिक सिद्धान्त हाट्रे, हेयक एवं शुम्पीटर का सिद्धान्त

02 कीन्स का व्यापार चक्र सिद्धान्त, काल्डर एवं सैमुएलसन के सिद्धान्त

03 हिक्स का व्यापार चक्र सिद्धान्त, वास्तविक व्यापार चक्र (RBC)

04 मौद्रिक नीति : अवधारणा, उद्देश्य एवं मौद्रिक नीति के अस्त्र

05 राजकोषीय नीति : अवधारणा, उद्देश्य एवं अस्त्र

06 आन्तरिक एवं वाह्य संतुलन, IS – LM – FE मॉडल

खण्ड 05 कल्याणवादी अर्थशास्त्र

इकाई 01 समाजिक कल्याण के मानक राष्ट्रीय आय में वृद्धि, बेन्थम मानक

02 पेरेटो अनुकूलतम

03 काल्डर – हिक्स ''प्रतिपूरक प्रतिमान''

04 बर्गसन का सामाजिक कल्याण फलन

05 कल्याण का निर्धारण – अधिकता अवस्था –वरदान का बिन्दु (Point of bliss)

06 सामाजिक कल्याण एवं सामाजार्थिक न्याय के मुद्दे तथा संपोषणीय विकास के प्रश्न

MAEC-112(N)
कृषि एवं ग्रामीण विकास

खण्ड 01 कृषि एवं ग्रामीण विकास की अभिनव प्रवृत्तियाँ –

इकाई 01 कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था की आधुनिक प्रवृत्तियाँ
02 कृषि एवं उद्योग में अन्तःसम्बन्ध, कृषि सेवा केन्द्र
03 कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पशुधन
04 पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन, जलवायु परिवर्तन
05 पड़त भूमि विकास, कृषि एवं सामाजिक वानिकी

खण्ड 02 कृषि अर्थव्यवस्था का विविधीकरण

इकाई 01 हरित क्रांति, श्वेत क्रान्ति एवं भूरी क्रान्ति
02 शुष्क भुमि खेती परियोजना एवं औषधीय पौधों की खेती
03 बागवानी एवं फूलों की खेती, लघु सिंचाई परियोजनाएँ
04 ग्रामीण भण्डारण, बाढ़ एवं सूखा नियंत्रण
05 कृषि जिंस वायदा बाजार

खण्ड 03 कृषि में मूल्य संर्वधन एवं नवीन योजनाएँ

इकाई 01 कृर्षि का वाणिज्यीकरण एवं प्रौद्योगिकीय कृषि
02 फलोत्तर प्रवन्धन एवं कुशल कृषि विपणन
03 अनुबंध कृषि, जैवकीय कृषि एवं कार्बनिक कृषि
04 भारतीय कृषि पर विश्व व्यपार संगठन का प्रभाव
05 कृषि विपणन एवं उपभोक्ता संरक्षण

खण्ड 04 कृषि एवं ग्रामीण विकास में नवोन्मेषी पहल

इकाई 01 कृषि फसल बीमा, कृषि विस्तार सेवाएं/ग्रामीण विकास की योजनाएं
02 ग्रामीण विकास में सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों की भूमिका, एम.एस.एम. ई. क्षेत्र पर उदारीकरण का प्रभाव
03 जल स्रोत प्रभाव, जनजाति कल्याण
04 सामाजिक न्याययुक्त विकास एवं ग्रामीण विकास नीति
05 सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से ग्रामीण जुड़ाव

खण्ड 05 ग्रामीण विकास में बैंकिग क्षेत्र की भूमिका

इकाई 01 ग्रामीण विकास एवं संस्थागत ऋण प्रणाली (RRB, कोआपरेटिव बैंक)
02 ग्रामीण विकास संस्थागत प्रणाली
03 स्वयं सहायता समूह एवं किसान क्लब
04 वित्तीय समावेशन एवं कारोबादी सम्पर्की मॉडल
05 ग्रामीण विकास में कारपोरेट समाजिक उत्तरदायित्व
06 NABARD

MAEC-113(N)
पर्यावरणीय अर्थशास्त्र

खण्ड 01 पर्यावरण के मुख्य विषय एवं अवधारणाएँ

इकाई 01 पर्यावरण के अर्थशास्त्र के मुख्य मुद्दे

02 आर्थिक विकास एवं पर्यावरण : सह सम्बन्ध कुजनेट्स वक्र, चक्रीय आर्थिक प्रवाह

03 ओजोन परत ह्रास, वैश्विक उष्मीकरण एवं मौसम परिवर्तन

04 वातावरण,इकोलोजी,वहन क्षमता आदि अवधारणाएँ

05 प्राकृतिक संसाधनों के उपलब्धिकर्ता, जीवन आधार प्रणाली उपलब्धकर्ता एवं प्रदूषण तथा अपशिष्ट के संवाहक के रूप में पर्यावरण

06 भौतिक सन्तुलन एवं एनट्रापी ला की अवधारणाएँ

खण्ड 02 प्राकृतिक संसाधन

इकाई 01 नव्यकरणीय एवं अनव्यकरणीय संसाधन

02 संसाधनों का वर्गीकरण, वन सम्पदा

03 जल संसाधन एवं खनिज संसाधन : कोयला, पेट्रोलियम आदि

04 ऊर्जा संसाधन , पवन शक्ति, ज्वार भाटा , प्राकृतिक गैस, जैविक ईधन , सौर ऊर्जा, आणविक ईधन आदि

05 खाद्य संसाधन एवं खाद्य सुरक्षा

06 जैविक विविधता एवं क्षय

खण्ड 03 पर्यावरण क्षरण (अवनयन)

इकाई 01 नव–क्लासिकी दृष्टिकोण : बाजार विफलता, Externalities and public goods, tragedy of the commons.

02 समाष्टिभावी दृष्टिकोण : अति औद्योगीकरण, संकृद्विआधिक्य एवं मीडोका सवृद्धि परिसीमन विचार

03 तीन प्रणालियाँ एवं उनका अन्त्र्सम्बन्ध : जैविक , आर्थिक एवं सामाजिक, प्रणालियाँ

04 अनव्यकरणीय संसाधनो का ह्रास एवं पृथ्वी एवं सम्पदा की सीमाएँ

05 आर्थिक विचारों के इतिहास में पर्यावरणीय चेतना : सम्पोषणीय विकास : पूर्तिपक्ष सीमाएँ रिकार्डो, माल्थस आदि, मांग पक्ष सीमाएँ–महान आर्थिक मंदी एवं कीन्स का पक्ष

06 नवीन पर्यावरण सचेतक आर्थिक विकास सम्बन्धी विचार : डेली , solow शुभाकर आदि

खण्ड 04 प्रदूषण एजेन्ट एवं पर्यावरण प्रबन्धन

इकाई 01 प्रदूषण के प्रकार : मृदा प्रदुषण, जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, नाभिकीय प्रदूषण, रेडियो धर्मिता एवं आणविक प्रदूषण

02 ध्वनि प्रदूषण दुर्गन्ध, भीड़ बेतरतीव फैलाव, सौंदर्यबोध का ह्रास एवं सांस्कृतिक प्रदूषण

03 प्रदूषण स्रोत : उद्योग, परिवहन, उपभोग तापीय प्रदूषण आदि

04 प्रदूषण एवं उनके प्रभाव : बीमारियाँ : Diahorrea, Typhoid, Malaria , Cancer, etc.

05 जनसंख्या वृद्धि प्रदूषण, भार , वहन क्षमता

06 पर्यावरण प्रबन्धन

खण्ड 05 पर्यावरणीय वैश्विक चेतना एवं प्रयास

इकाई 01स्टाकहोम सम्मेलन 1972 विश्व संरक्षण रणनीति 1980, मान्ट्रियल प्रोटोकाल 1987, पृथ्वी सम्मेलन 1972, 2002 कोपेनहेगेन सम्मेलन 2010

02 पर्यावरण सम्बन्धी वाह्य लागतें, नुकसान अमितव्ययितायें

03 कोसेध्यारम, polluter pay principal, होटलिंग मॉडल आदि

04 भारत में पर्यावरण प्रबन्धन

05 भारत में पर्यावरण संरक्षण हेतु कानून, अध्यादेश एवं नियमावली

06 सम्पोषणीय विकास के गैर–आर्थिक पहलू : सम्पोषणीय विकास के आध्यात्मिक आयाम एवं Future Agenda

MAEC-114 (N)
बुनियादी ढांचे का अर्थशास्त्र

पाठ्यक्रम

खण्ड–1 बुनियादी ढांचे का स्वरूप

इकाई–1 बुनियादी ढांचा और आर्थिक विकास संबंध।

इकाई–2 सार्वजनिक वस्तु के रूप में अवसंरचनाएं भौतिक एवं सामाजिक अवसंरचना।

इकाई–3 सार्वजनिक उपयोगिताओं की विशेषताएं, पीक–लोड, ऑफ–लोड समस्या।

इकाई–4 बुनियादी ढांचे का वित्तीयन, विनियमन एवं नीति।

खण्ड–2 भौतिक अवसंरचना: परिवहन और संचार

इकाई–5 परिवहन: रेल, सड़क, वायु, जलमार्ग और बंदरगाह; परिवहन अवसंरचना की प्रगति और मूल्य निर्धारण।

इकाई–6 परिवहन लागत की संरचना और आर्थिक गतिविधियों का स्थान।

इकाई–7 तकनीकी उन्नति एवं चुनौतियाँ, भारत में परिवहन एवं दूरसंचार के प्रत्येक साधन से संबंधित नई नीतियाँ एवं कार्यक्रम।

इकाई–8 टेलीफोन उद्योग, मोबाइल और इंटरनेट सेवाओं का निजीकरण।

खण्ड–3 ऊर्जा, बिजली और जल आपूर्ति

इकाई–9 आर्थिक विकास की प्रक्रिया में ऊर्जा की प्रधानता ऊर्जा के पारंपरिक एवं गैर–पारंपरिक स्रोत (सौर एवं पवन ऊर्जा) विकास एवं वर्तमान स्थिति।

इकाई–10 ऊर्जा की मांग निर्धारित करने वाले कारक, विद्युत वितरण की समस्याएं एवं संभावनाएं तथा मूल्य निर्धारण।

इकाई–11 भारत में ऊर्जा संकट; ऊर्जा संरक्षण ऊर्जा नीति ।

इकाई–12 शहरी एवं ग्रामीण जल आपूर्ति स्वच्छता के लिए भारत सरकार के कार्यक्रम स्वच्छ भारत शहरी बुनियादी ढांचा; स्मार्ट शहर। ।

खण्ड–4 सामाजिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए आर्थिक नीति

इकाई–13 मानव संसाधन और मानव पूंजी विकास शिक्षा एवं आर्थिक विकास; शैक्षिक योजना के दृष्टिकोण आर्थिक विकास के उपकरण के रूप में शिक्षा और स्वास्थ्य ।

इकाई–14 प्राथमिक शिक्षा का सार्वभौमिकरण, माध्यमिक, तकनीकी, व्यावसायिक और उच्च शिक्षा का प्रदर्शन और चुनौतियाँ शिक्षा में लागत–लाभ विश्लेषण, भारत में शिक्षा नीति का सिहांवलोकन।

इकाई–15 भारत में स्वास्थ्य सेवाएँ: स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के आर्थिक आयाम: स्वास्थ्य नीति।

इकाई–16 भारत में शिक्षा एवं स्वास्थ्य कार्यक्रमों का वित्तीयन, शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर राज्य का व्यय ।

सम्बंधित पाठ्य पुस्तकें

1 -क्रू, एम. ए. और पी. आर. क्लेनडॉर्फर (1979), "पब्लिक यूटिलिटी इकोनॉमिक्स", मैकमिलन, लंदन।

2 -बैरी आर.जे. (1998) भारत में निजी स्वास्थ्य देखभाल

3 -बेकर, जी.एस. (1974), "मानव पूंजी" 92वां संस्करण)

4 -दास, के., "असंतुलित बुनियादी च्ढांचा", अल्टरनेटिव सर्वे ग्रुप (सं.), अल्टरनेटिव इकोनॉमिक सर्वे, भारत: नवउदारवाद के दो दशक, दानिश बुक्स, दिल्ली, पृ. 195–209-

5 -डरमन, पी. और खान, एम.ई. (1993), "पेइंग फॉर इंडियन हेल्थ केयर", सेज पब्लिकेशंस, नई दिल्ली।

6 -गार्फिक पी.जे. और डब्ल्यू. लोवजॉय (1964), "पब्लिक यूटिलिटी इकोनॉमिक्स", प्रेंटिस–हॉल, ईगलवुड क्लिफ पार्क

7 -गोयल, एम.एम., "भारत में मानव संसाधन प्रबंधन का अर्थशास्त्र", वीके ग्लोबल पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली

8 -भारत सरकार (2000,2003,2004) आर्थिक सर्वेक्षण वित्त मंत्रालय, नई दिल्ली।

9 -भारत सरकार, भारत अवसंरचना रिपोर्ट,

10 -भारत 2000 योजना आयोग, बुनियादी ढांचे पर श्वेत पत्र, योजना आयोग, नई दिल्ली

MAEC-115 (N)

उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था

खण्ड –1 उत्तर प्रदेश का आर्थिक परिचय

इकाई–1 उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था की प्रकृति, एवं विशेषताएं, भारतीय अर्थव्यवस्था में उत्तर प्रदेश का योगदान।

इकाई–2 उत्तर प्रदेश का जनसांख्यिकी प्रारूप।

इकाई–3 उत्तर प्रदेश में प्राकृतिक संसाधनों की स्थिति।

इकाई–4 उत्तर प्रदेश में संवृद्धि और विकास को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक–आर्थिक और गैर–आर्थिक कारक मानव विकास सूचकांक, सतत विकास लक्ष्य।

खण्ड – 2 उत्तर प्रदेश में अवसंरचनात्मक विकास

इकाई–5 उत्तर प्रदेश का बुनियादी ढांचागत विकास।

इकाई–6 उत्तर प्रदेश में शिक्षा का विकास।

इकाई–7 उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य का विकास।

इकाई–8 उत्तर प्रदेश के विकास में एक जिला एक उत्पाद, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, खादी विकास योजना जैसे योजनाओं का योगदान।

खण्ड –3 उत्तर प्रदेश में कृषि और ग्रामीण विकास

इकाई– 9 उत्तर प्रदेश में कृषि उत्पादन और उत्पादकता, फसल विविधीकरण।

इकाई– 10 उत्तर प्रदेश में कृषि भूमि–स्वामित्व और सिंचाई, कृषि मशीनीकरण, कृषि ऋण।

इकाई– 11 उत्तर प्रदेश में कृषि नीति और रणनीतियां।

इकाई– 12 उत्तर प्रदेश में ग्रामीण विकास श्रमिक प्रवास।

खण्ड – 4 उत्तर प्रदेश में उद्योग और सेवा क्षेत्र

इकाई–13 उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास का स्वरूप।

इकाई–14 उत्तर प्रदेश के प्रमुख उद्योग।

इकाई– 15 उत्तर प्रदेश की औद्योगिक नीति ।

इकाई– 16 उत्तर प्रदेश में सेवा क्षेत्र का विकास एवं नीतियां।

सम्बंधित पाठ्य पुस्तकें

1. कपिला उमा, भारतीय अर्थव्यवस्थारू प्रदर्शन और नीतियां, अकादमिक फाउंडेशन

2. कुमार संजीव, भारत में फसल विविधीकरण और खाद्य सुरक्षा, मित्तल प्रकाशन

भारत सरकार, 2014.

4. अग्रवाल एम.के. उत्तर प्रदेश में आर्थिक विकास, न्यू रॉयल

3. उत्तर प्रदेश राज्य विकास रिपोर्ट, खंड ᑊ और ᑊᑊ राज्य योजना प्रभाग, योजना आयोग,

5. मदन, सुशीला, सूचना प्रौद्योगिकी, टैक्समैन एलाइड सर्विसेज, नई दिल्ली।

6.यूपी मानव विकास रिपोर्ट और यूपी–एसडीआर–2022

7. प्रासंगिक उत्तर प्रदेश सरकार प्रकाशन

MAEC-116(N)
मौद्रिक अर्थशास्त्र (MONETARY ECONOMICS)

खण्ड 01 मुद्रा की अवधाराणा (Concept of Money)

इकाई – 01 मुद्रा की रूपरेखा, परिभाषा और कार्य
इकाई – 02 मुद्रा का वर्गीकरण
इकाई – 03 मुद्रा प्रकृति और महत्व
इकाई – 04 स्वर्णमान मुद्रा
इकाई – 05 पत्र मुद्रामान, मुद्रा का आधुनिक स्वरूप

खण्ड 02 मुद्रा पूर्ति के सिद्धान्त (Theory of Money Supply)

इकाई –01 मुद्रा पूर्ति की अवधारणा और घटक
इकाई –02 मुद्रा पूर्ति का निर्धारक एवं मुद्रा गुणक
इकाई –03 साख मुद्रा का सृजन एवं मुद्रा गुणक
इकाई –04 भारत में मुद्रा पूर्ति का मापन

खण्ड 03 मुद्रा मांग के सिद्धान्त (Theory of Money Demand)

इकाई –01 मुद्रा मांग की प्रतिष्ठित अवधारणा
इकाई –02 मुद्रा मांग की कीन्स की अवधारणा
इकाई– 03 मुद्रा मांग की केन्जोपरान्त अवधारणा–बामोल एवं टोबिन
इकाई –04 मुद्रा मांग की मिल्टन फीडमैन की अवधारणा

खण्ड 04 ब्याज के सिद्धान्त और स्फीति (Theory of interest and Inflation)

इकाई– 01 स्फीति : आशय, कारण एवं प्रभाव
इकाई –02 स्फीति के सिद्धान्त
इकाई –03 ब्याज का प्रतिष्ठित सिद्धान्त
इकाई –04 ब्याज का कीन्स का सिद्धान्त
इकाई –05 ब्याज का आधुनिक सिद्धान्त

खण्ड 04 भारत में मौद्रिक नीति का अवलोकन (Overview of Monetary Policy in India)

इकाई– 01 अल्पविकसित अर्थव्यवस्थाओं में मौद्रिक नीति की भूमिका एवं उद्देश्य
इकाई –02 मौद्रिक नीति के उपकरण
इकाई –03 भारतीय मुद्रा बाजार
इकाई –04 भारतीय पूँजी बाजार
इकाई –05 भारतीय मौद्रिक नीति समितियों की भूमिका

MAEC-117(N)
जनांकिकी

खण्ड 01 प्रमुख अवधारणाएँ –

इकाई 01 जनांककी का अर्थ, जनांककी का विकास, विषय सामग्री एवं महत्व
02 जनसंख्या का आकार, संरचना एवं वितरण
03 जनांककीय विश्लेषण की विधियाँ
04 जनसंख्या पिरामिड
05 जनसंख्या का घनत्व, लिंग अनुपात आदि
06 जनसंख्या वृद्धि एवं आर्थिक विकास

खण्ड 02 जनांकिकीय प्रतिमानों एवं चरों का मापन

इकाई 01 प्रजननता एवं प्रजननता माप की विभिन्न अवधारणाएँ
02 'मृत्यु क्रम', मृत्यु 'दरे–अशोधित', आयु–विशिष्ट, प्रमाणित, शिशु मृत्युदर
03 जीवन–तालिका का निर्माण
04 विवाह एवं वैवाहिक विसर्जन
05 जनसंख्या प्रक्षेपण
06 नगरीकरण एवं देशान्तरण

खण्ड 03 जनसंख्या के सिद्धान्त

इकाई 01 पूर्व माल्थसवादी जनसंख्या सम्बन्धी विचार
02 माल्थस का जनसंख्या सि़द्धान्त एवं नवमाल्थसवाद
03 अनुकूलतम जनसंख्या की अवधारणा
04 जनसंख्या के जैविकीय सिद्धान्त
05 जनसंख्या के सामाजिक सांस्कृतिक एवं आर्थिक सिद्धान्त कार्ल मार्क्स के विचार
06 जनांकिकीय संक्रमण का सि़द्धान्त

खण्ड 04 भारत की जनसंख्या

इकाई 01 भारत की जनसंख्या
02 भारत में जनगणना, विधियाँ, समंको का महत्व
03 भारत की जनसंख्या संरचना
04 भारत में प्रजननता एवं मृत्यु दर
05 भारत में जनांककीय संक्रमण, जनांककीय लाभांश
06 भारत की जनसंख्या नीति

खण्ड 05 विश्व जनसंख्या एवं संसाधन

इकाई 01 विश्व जनसंख्या का विकास एवं भौगोलिक वितरण
02 विगत सहस्त्राब्दियों में उच्च मृत्यु दर के आर्थिक स्वास्थ्य सम्बन्धी एवं सामाजिक कारक : महामारिया एवं उनका नियंत्रण, अकाल आदि
03 जनसंख्या विकास को प्रभावित करने वाले कारक
04 यूरोपीय देशों एवं चीन की जनांकिकीय प्रवृत्तियाँ
05 वैश्विक संसाधनों का वितरण
06 विश्व की जनसंख्या आधारित वर्तमान समस्याएँ

MAEC-118(N)
अर्थशास्त्रीय शोध एवं सांख्यिकी

खण्ड–1 शोध : एक परिचय

इकाई–1 शोध का अर्थ, उद्देश्य एवं महत्व
इकाई–2 शोध के प्रकार
इकाई–3 वैज्ञानिक शोध के विभिन्न चरण
इकाई–4 सामाजिक अनुसंधान–अर्थ, प्रकार, उपयोगिता
इकाई–5 समाज विज्ञान और शुद्ध विज्ञान के शोध में अंतर

खण्ड–2 शोध समस्या एवं शोध प्रारूप

इकाई–1 शोध समस्या का अर्थ एवं चुनाव
इकाई–2 शोध के प्रश्न एवं परिकल्पनाएँ
इकाई–3 शोध प्रारूप (Research Design) अर्थ, आवश्यकता, एवं विशेषताएं
इकाई–4 शोध प्रारूप के प्रकार

खण्ड–3 प्रतिदर्श चयन प्रारूप

इकाई–1 प्रतिदर्श का अर्थ, महत्व एवं विशेषताएं
इकाई 2: समग्र बनाम प्रतिदर्श सर्वेक्षण
इकाई–3 : प्रतिदर्श का आकार
इकाई–4: प्रतिदर्श चयन की विधियाँ
इकाई–5: प्रतिचयन प्रारूप के विभिन्न चरण

खण्ड–4 आँकड़ों का संकलन

इकाई–1 आँकड़ें: अर्थ एवं परिभाषा, आंकड़ों के प्रकार
इकाई–2 संकलन की विधियाँ: अवलोकन, सर्वेक्षण, साक्षात्कार एवं वृत अध्ययन
इकाई–3 प्रश्नावली एवं अनुसूची में अन्तर
इकाई–4 प्रश्नावली व सारणी निर्माण हेतु दिशा निर्देश

खण्ड–5 आँकड़ों का प्रसंस्करण एवं विश्लेषण

इकाई–1 प्रसंस्करण कार्यविधि
इकाई–2: आँकड़ों का प्रस्तुतिकरण
इकाई–3 केन्द्रीय प्रवृत्ति की मापें
इकाई–4 विचरण की मापें
इकाई–5 सहसंबंध एवं प्रतिपगमन

खण्ड–6: परिकल्पना परीक्षण

इकाई–1 प्रायिकता अर्थ, महत्व एवं प्रकार
इकाई–2 परिकल्पना का अर्थ एवं प्रकार
इकाई–3 समान्य वितरण की विशेषताएँ
इकाई–4 एक पक्षीय और द्विपक्षीय परीक्षण प्रथम प्रकार की त्रुटि एवं द्वितीय प्रकार की त्रुटि
इकाई–5 टी– परीक्षण एवं जेड परीक्षण
इकाई–6 काई वर्ग परीक्षण
इकाई–7 प्रसरण विश्लेषण
इकाई–8 प्राचल या वितरण रहित परिकल्पनाओं का परीक्षण

खण्ड– 7 प्रतिवेदन लेखन

इकाई–1: प्रतिवेदन का अर्थ
इकाई–2: अध्याय वितरण
इकाई–3 अभिस्वीकृति
इकाई–4: सारांश
इकाई–5: उद्धरण के तरीके उद्धरण एवं संदर्भग्रंथ सूची में अन्तर
इकाई–6: अध्ययन की सीमाएँ

MAEC-119 (N)

औद्योगिक अर्थशास्त्र

खण्ड–1 औद्योगिक अर्थशास्त्र का परिचय एवं मूल सिद्धांत

इकाई–1 औद्योगिक अर्थशास्त्र का अर्थ, आवश्यकता, महत्व, उद्योग की परिभाषा एवं अवधारणा।
इकाई–2 औद्योगिक संरचना सार्वजनिक क्षेत्र, निजी क्षेत्र, लघु उद्योग, कुटीर उद्योग, भारी उद्योग।
इकाई–3 फर्म का संगठन स्वामित्व एवं उद्देश्य।
इकाई–4 औद्योगिक स्थानीकरण के सिद्धांत– अल्फ्रेड वेबर, सार्जेंट फ्लोरेंस।

खण्ड–2 भारतीय औद्योगिक विकास और स्वरूप

इकाई–5 औद्योगिक विकास की संवृद्धि और बदलता स्वरूप।
इकाई–6 भारत में औद्योगिक नीतियां – 1948, 1956, 1991 नई औद्योगिक नीति।
इकाई–7 भारत में उद्यमिता एवं औद्योगिक विकास के अवरोध एवं उत्तरदायी कारक।
इकाई–8 भारत के संदर्भ में विकासशील अर्थव्यवस्था में उद्योग और आर्थिक विकास।

खण्ड–3 औद्योगिक वित्त, प्रतिस्पर्धा एवं नियमन

इकाई–9 औद्योगिक वित्त का अर्थ, क्षेत्र एवं महत्व।
इकाई–10 औद्योगिक वित्त के स्रोत– निजी, सार्वजनिक एवं सहकारी क्षेत्र आदि, संस्थागत वित्त का महत्व।
इकाई–11 संस्थागत वित्त के प्रकार– आई.डी.बी.आई, आई.एफ.सी.आई, एस.एफ.सी, एस.आई.डी.सी. और वाणिज्यिक विकास।
इकाई–12 प्रतिस्पर्धा नीति एवं प्रतिस्पर्धा अधिनियम, एकाधिकार नियंत्रण एवं नियामक संस्थाएं सी. सी.आई, ट्राई आदि।

खण्ड–4 आर्थिक नीतियाँ और औद्योगिक क्षेत्र में चुनौती पूर्ण मुद्दे

इकाई–13 औद्योगिक विकास में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश एफ.डी.आई, की भूमिका।
इकाई–14 बौद्धिक संपदा संरक्षण, पेटेंट, ट्रेडमार्क और कॉपीराइट।
इकाई–15 स्टार्टअप, स्किल इंडिया एवं सरकारी नीति।
इकाई–16 औद्योगिक प्रचलन एवं पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे।

सम्बंधित पाठ्य पुस्तकें

1. बर्थवाल, आर.आर., औद्योगिक अर्थशास्त्र, विले ईस्टर्न लि., नई दिल्ली
2. डिवाइन. पी.जे. और आर.एम. जोन्स एट. अल.. औद्योगिक अर्थशास्त्र का परिचय जॉर्जएलन और अनविन लिमिटेड, लंदन।
3. हे.डी. और डी.जे. मॉरिस, औद्योगिक अर्थशास्त्र सिद्धांत और साक्ष्य, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली
4. बैंस, जे.एस., औद्योगिक संगठन, चेल्टनहम, यूके।
5. स्मिथ, डी.एम., औद्योगिक स्थान एक आर्थिक और भौगोलिक विश्लेषण, जॉन विले। न्यूयॉर्क
6. चेरुनिलम, एफ., औद्योगिक अर्थशास्त्ररू भारतीय परिप्रेक्ष्य, हिमालय पब्लिशिंग हाउस, मुंबई।
7. एस.पी.सिंह, औद्योगिक अर्थशास्त्र, हिंदी संस्करण

MAEC-120(N)

लघु शोध प्रबन्ध

नोट– संबंधित प्रश्नपत्र में विषय विशेषज्ञ द्वारा शोध प्रबन्ध शीर्षक चालू सत्र में वेबसाइट पर अपलोड करा दिया जायेगा।